दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-257
मुरादाबाद
07 January 2025
(Tuesday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम ने दी रेल परियोजनाओं की सौगात, जम्मू रेल मंडल और तेलंगाना में टर्मिनल स्टेशन का किया शुभारंभ

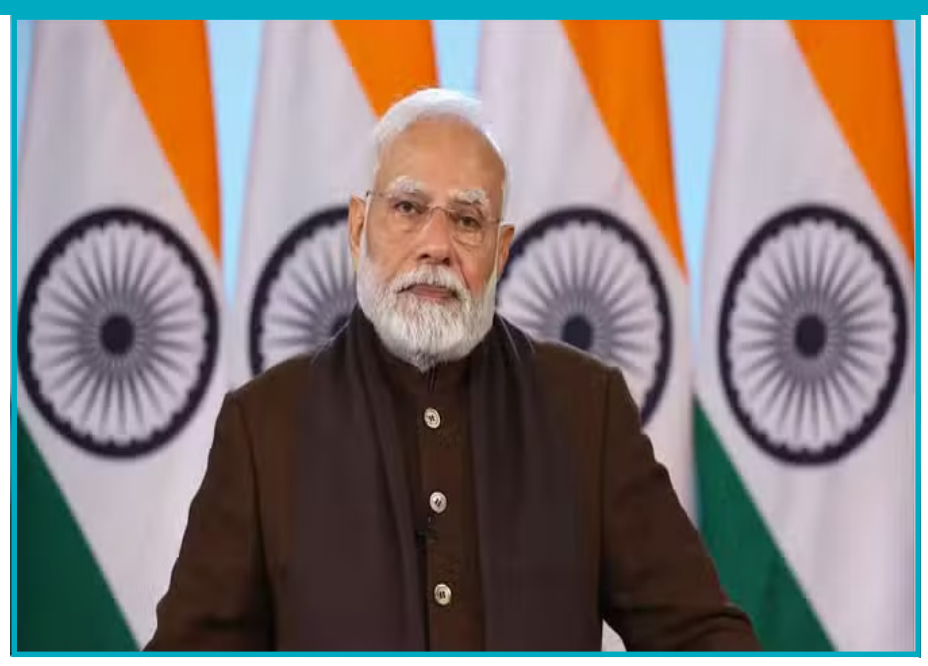

पीएम मोदी ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। मैंने कल दिल्ली एनसीआर में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये रेल परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने जम्मू रेलवे डिवीजन का शुभारंभ किया। साथ ही तेलंगाना में चार्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके अलावा पूर्वी तट रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी।पीएम मोदी ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। मैंने कल दिल्ली NCR में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि 2-3 दिन पहले मैं एक वीडियो देख रहा था इसमें वंदे भारत ट्रेन का नया स्लीपर वर्जन ट्रायल में 180 किमी/घंटा की गति से चल रहा था। यह न केवल मुझे अच्छा लग रहा है, बल्कि निश्चित रूप से सभी को अच्छा लगा होगा। यह तो बस शुरुआत है। वह समय दूर नहीं जब देश में पहली बुलेट ट्रेन चलेगी। उन्होंने कहा कि हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तन का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बदलाव आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। इसमें पहला रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, दूसरा रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सहयोग शामिल है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत रेल लाइनों के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुंच को भी लगातार बढ़ाया किया है। बीते 10 साल में 30 हजार किमी से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं।

साथ ही सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए हजारों ओवरपास और अंडरपास भी बनाए गए हैं। आज लोग कम समय में लंबी दूरी तय करना चाहते हैं। इसलिए हमने पूरे देश में हाई-स्पीड ट्रेनें चलाई हैं। आज 50 से अधिक रूटों पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 136 वंदे भारत सेवाएं लोगों की यात्रा को आरामदायक बना रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन की चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को देश के और हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ेगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे केबल पुल चिनाब का काम भी पूरा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

80 साल के पिता को गाली देने पर उतर आएंगे, बिधूड़ी के बयान पर सीएम आतिशी हुईं भावुक

दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री आतिशी भावुक हो गईं। दिल्ली में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी बीच राजधानी में सियासत गरमाई हुई है। भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री आतिशी भावुक हो गईं। पीसी में उन्होंने कहा कि मेरे पिता एक शिक्षक रहे हैं। अब आप एक 80 साल के बुजुर्ग को गाली देने पर उतर आएंगे। मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनाव में बड़े घोटाले का आरोप लगाया। घोटाले के आरोपों के बीच भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। इसी दौरान आतिशी भावुक हो गईं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के उनके बारे में दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान पर कहा कि मेरे पिताजी जिंदगी भर शिक्षक रहे, उन्होंने दिल्ली के हजारों मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग बच्चों को पढ़ाया है। आज वे 80 साल के हो गए हैं। चुनाव के लिए वे (रमेश बिधूड़ी) ऐसी घटिया हरकत करेंगे कि एक बुजुर्ग व्यक्ति को गालियां देने पर उतर आएंगे। इस देश की राजनीति इतने निचले स्तर तक गिर सकती है यह मैं कभी नहीं सोच सकती थी। सीएम कहा कि वोटर लिस्ट में घोटाला हो रहा है। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर बड़ा खेल हो रहा है। गलत तरीके से वोट काटने की साजिश हो रही है।

चीन में फैला एचएमपीवी वायरस भारत पहुंचा, कर्नाटक में दो और गुजरात में एक बच्चा संक्रमित मिला, अलर्ट जारी

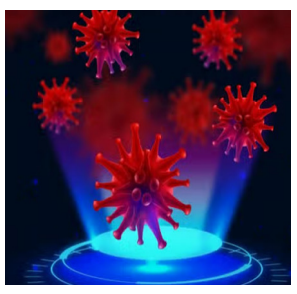

चीन में फैल रहे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की भारत में दस्तक हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने कर्नाटक में दो बच्चों में एचएमपीवी संक्रमण पाया है। तीन महीने की बच्ची और आठ महीने के बच्चे में संक्रमण मिला है। इसके अलावा गुजरात में दो महीने के बच्चे में संक्रमण पाया गया है।चीन में फैल रहा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण भारत पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने कर्नाटक में दो बच्चों में एचएमपीवी संक्रमण पाया है। तीन महीने की बच्ची और आठ महीने के बच्चे में संक्रमण मिला है। इसके अलावा गुजरात में भी दो महीने के बच्चे में संक्रमण पाया गया है। वहीं केस मिलने के बाद अलर्ट जारी किया गया है।चीन में इन दिनों ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप देखने को मिल रहा है। वायरस से बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। इसे लेकर भारत में भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कई राज्यों ने एडवाइजरी और अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही भारत में एचएमपीवी वायरस के दो केस सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि बंगलूरू के बैपटिस्ट अस्पताल में तीन महीने की एक बच्ची को ब्रोन्कोन्यूमोनिया बीमारी के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। बच्ची में एचएमपीवी होने की जानकारी मिली। उसे छुट्टी दे दी गई है। इसी अस्पताल में आठ महीने के बच्चे में को भी संक्रमित पाया गया। उसका तीन जनवरी 2025 को नमूना लिया गया था। बच्चे की हालत भी ठीक है। दोनों संक्रमित बच्चों और उनके परिजनों का कोई भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का इतिहास नहीं है। गुजरात में 26 दिसंबर को आई थी बच्चे के संक्रमित होने की रिपोर्ट-अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी चिकित्सा अधिकारी भाविन सोलंकी ने कहा कि राजस्थान के डूंगरपुर के रहने वाले शिशु को श्वसन संक्रमण के लक्षणों के साथ 24 दिसंबर को अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके में स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परीक्षण के बाद बच्चे को एचएमपीवी संक्रमित पाया गया। सोलंकी ने कहा कि शिशु में एचएमपीवी संक्रमण 26 दिसंबर को पाया गया था, लेकिन हमें इसके बारे में आज पता चला क्योंकि निजी अस्पताल ने हमें इसकी सूचना देर से दी। अधिकारी ने बताया कि शिशु को आइसोलेशन में रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहले बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया था और उसकी हालत अब स्थिर है। स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा निगरानी-केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एचएमपीवी पहले से ही भारत सहित दुनिया भर में प्रचलन में है। इससे जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले कई देशों में सामने आए हैं। वहीं आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर देश में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। आईसीएमआर पूरे वर्ष एचएमपीवी प्रचलन के रुझानों पर नजर रखना जारी रखेगा। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही चीन में किए जा रहे उपायों की जानकारी दे रहा है। इसे लेकर सभी स्वास्थ्य इकाइयां अलर्ट पर हैं। वहीं कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने आपात बैठक बुलाई है।एचएमपीवी वायरस पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यह दो बच्चों में पाया गया है। मैंने स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी दिनेश गुंडूराव से बात की है। उन्होंने विभाग के साथ बैठक की। जो भी निर्णय होगा सरकार उसे लागू करेगी। सरकार सभी एहतियाती कदम उठाएगी और इस बीमारी को रोकेगी।आंध्र प्रदेश सरकार ने जारी किया अलर्ट-आंध्र प्रदेश सरकार ने एचएमपीवी वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया है। आंध्र प्रदेश की लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशक के पद्मावती ने कहा कि यह वायरस कोविड-19 की तरह ही एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह मुख्य रूप से बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आंध्र प्रदेश में एचएमपीवी का कोई मामला नहीं आया है। फिलहाल इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एचएमपीवी से संक्रमित व्यक्तियों के निकट संपर्क में रहने वाले व्यक्तियों को वायरस के संक्रमण का खतरा है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी संक्रमित व्यक्तियों के खांसने, छींकने, छूने और हाथ मिलाने से भी फैल सकती है।क्या है ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी)? ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस, जिसे एचएमपीवी के छोटे नाम से भी जाना जाता है, इंसानों की श्वसन प्रक्रिया पर प्रभाव डालने वाला वायरस है। इसकी पहली बार पहचान 2001 में हो गई थी। तब नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने इसका पता लगाया था। यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार का वायरस है। श्वसन संबंधी अन्य वायरस की तरह यह भी संक्रमित लोगों के खांसने-छींकने के दौरान उनके करीब रहने से फैलता है। कुछ स्टडीज में दावा किया गया है कि यह वायरस पिछले छह दशकों से दुनिया में मौजूद है। तिरोधक क्षमता वाले लोगों और बुजुर्गों पर भी इसका प्रभाव दर्ज किया गया है। इस वायरस की वजह से लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार, कफ की शिकायत हो सकती है। ज्यादा गंभीर मामलों में गला और श्वांस नली के जाम होने से लोगों के मुंह से सीटी जैसी खरखराहट भी सुनी जा सकती है। कुछ और गंभीर स्थिति में इस वायरस की वजह से लोगों को ब्रोंकियोलाइटिस (फेफड़ों में ऑक्सीजन ले जाने वाली नली में सूजन) और निमोनिया (फेफड़ों में पानी भरना) की स्थिति पैदा कर सकता है।

सीएम योगी बोलेः गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश बचा लिया, नई पीढ़ी को बताएं योगदान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा। महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। सीएम योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश बचा लिया - सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया। कश्मीर को बचाया, जो आज भी भारत का हिस्सा है। वजीर खान गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों (जोरावर सिंह-फतेह सिंह) से कहता है कि इस्लाम स्वीकार कर लो, लेकिन इन लोगों ने कहा कि यह नहीं हो सकता। इस पर उन्हें जीवित ही दीवारों में चुनवा दिया गया। चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ। चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार...-सीएम ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं... गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जातिभेद व छुआ छूत को समाप्त करने के लिए की खालसा पंथ की स्थापना - सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छूआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने %सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे% का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटने के लिए कहा। सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास प्रदान कर रहा प्रेरणा- सीएम ने कहा कि सिख गुरुओं गुरु नानक देव, गुरु अर्जुन देव, गुरु तेगबहादुर, गुरु गोबिंद सिंह महाराज तक ने जो परंपरा डाली, उनका गौरवशाली इतिहास प्रेरणा प्रदान कर रहा है। सीएम ने सभी से कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज के विचित्र नाटक का अध्ययन कीजिए, पता चलेगा कि वे दिव्य महापुरुष थे, जो पूर्व जन्म और उन स्थितियों के बारे में भी अवगत करा रहे हैं, जिन्हें देखकर रोंगटे खड़े होते हैं। भावी पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराना हमारा दायित्व - सीएम ने कहा कि आज का प्रकाश पर्व उसी प्रेरणा का दिवस है, जहां सिख गुरुओं के त्याग, बलिदान व कृतित्व से नई प्रेरणा प्राप्त होती है। लखनऊ का सौभाग्य है कि गुरु तेग बहादुर सिंह महाराज गुरु गोबिंद सिंह को बाल्यकाल में लाकर यहियागंज गुरुद्वारे में रुके थे। इतनी ऐतिहासिक परंपरा का संरक्षण करना, उसे बढ़ाकर भावी पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराना हमारा दायित्व बनता है। यह वर्ष हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण - सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी वर्ष होने के कारण यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जैसे गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को बड़े उत्साह से आयोजित किया गया था, इन आयोजनों को भी इसी तरह बड़े पैमाने पर करने की आवश्यकता है। यदि इन्हें उसी रूप में बढ़ाएंगे तो भावी पीढ़ी पर उपकार होगा और लोगों को इतिहास के बारे में जानकारी मिलेगी। खालसा पंथ, सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान के बारे में प्रेरणा प्राप्त होगी। सीएम ने आह्वान किया कि सिख गुरुओं का बलिदान, उनकी प्रेरणा देश व समाज के लिए उपयोगी बनाने में हम सब अपना योगदान दे पाएंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ,अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह, डॉ. अमरजीत सिंह, राजेंद्र सिंह बग्गा, डॉ. हरजोत सिंह, सतनाम सिंह सोढ़ी, सरदार दलजीत सिंह, पार्षद राजू गांधी, सरदार त्रिलोचन सिंह आदि मौजूद रहे।

संपादकीय Editorial

Absence of doctors on prescription slips

Keeping a finger on the pulse of his Monday meeting, Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu has taken stock of the entire medical system. We can be happy by adding a new investment of Rs 1570 crore to this, but the irony is that nine and a half lakh patients are dependent on other states for their survival every year. That means Rs 1350 crore goes out on the pretext of treatment and the yearning eyes somewhere in the medical complexes within Himachal regret with hopelessness that why the assurances of government institutions are repeatedly rejected. The absence of doctors in the pile of prescription slips is such that the specialist doctors of all the medical colleges are enjoying the sunshine in the vacation of about two months and here in the crowd of patients in the unclaimed arrangements, no one is aware of the tragedy of the medical field. Just a few days ago, the transfer of doctors in medical colleges and big hospitals has openly said that why should the medical department of Himachal get the award of 'big name but small appearance'. If the government cannot arrange for a doctor in the medicine department of the Zonal Hospital in Dharamshala, then where will the patients seek shelter. It is surprising that Himachal has been torn to such an extent by expanding its medical colleges that no hospital is left fit for patients. In fact, when TMC was formed after IGMC, it killed the hospitals and medical science around it. The Zonal Hospitals of Shimla, Dharamshala and Mandi were once ranked above the Medical Colleges and were recorded in the superiority of medical services, but by constructing the buildings of Medical Colleges, today we have made the entire health sector sick. Dharamshala Hospital alone once provided excellent medical services to a large part of Kangra, Chamba, Hamirpur and Una districts, which is not even fit for an Assembly constituency today. Has Himachal done any good to the health services by building Medical Colleges in Chamba and Nahan or are only the contracts in these projects increasing the income of a few people and a special lobby. The situation is such that TMC cannot even keep a toilet in good condition. Of course, even if 1570 crores are spent in the upcoming plans and budgetary provisions, but this expenditure will only be for the buildings and equipment, whereas a solid foundation of discipline, assurance, dignity, determination and sensitivity of medical services should be developed between the patient and the doctor. If nine and a half lakh patients are going to other states every year, then this in itself is the incompetence of the medical management of Himachal. It is not that the doctors or paramedical staff of Himachal should be held guilty for this. Even today, the salary that the senior resident doctor is getting, why should it not be considered an insult to this profession. It is also ironic that in the process of saving medical colleges, the governments are killing the medical institutions that are close to the public. If the zonal hospitals of Dharamshala, Mandi and Shimla are requesting OPD of thousand to fifteen hundred, then why are the sanctioned posts being reduced instead of increasing. Sukhu government has promised to strengthen emergency services and establish an ideal medical institute in every assembly constituency, but the condition is not only bad in civil, regional or zonal hospitals, but also in medical colleges, otherwise why would nine and a half lakh patients go outside. In this way, about 25 thousand patients are relying on the medical infrastructure of neighboring states every day, bypassing the institutions of Himachal. It is also worth noting that when a patient goes to another state, some attendants,

Waiting for decisions that will boost confidence, public has many expectations from the budget

The Modi government is showing willpower but it is difficult to say whether it will be able to push forward reforms in various sectors in time. It would be good if the Modi government, through the budget it is going to present next month, not only shows that despite being away from the majority, it is a capable government and is determined to implement its agenda. In the last Lok Sabha elections, when the BJP under the leadership of Narendra Modi did not get a majority on its own, speculations began to be made that the coalition government would not be able to work with the speed and flexibility that was seen in the previous two terms. A coalition government has its own compulsions. In the third term, the Modi government has to push its agenda keeping in mind that it is dependent on the support of Nitish Kumar's JDU and Chandrababu Naidu's Telugu Desam Party. The Modi government has completed almost seven months of its third term. During this time, it seemed that it was not able to move forward at the pace that was expected due to the narrative being set by the Congress and other opposition parties and their opposition. It is clearly visible that it is facing pressure from the opposition on the Waqf Act, One Country-One Election. It cannot be ignored that the first budget presented by the Modi government in its third term did not show any revolutionary steps that could solve the basic problems of the country. If we look at the previous sessions of Parliament, the Modi government has been able to pass only one bill considered important - the Indian Aircraft Bill. Like previous governments, the Modi government also faces frequent assembly elections. Due to frequent elections, the ruling party has to adopt similar methods to answer the opposition. Many times, it has to do things that are not economically correct, even if it does not want to. The BJP has had to announce public welfare schemes like the opposition parties announced to get votes. The trend of giving monthly payments to women has started, and now no party is untouched by it. It is because of these schemes that attracted women that the BJP got a landslide victory in Maharashtra. In Madhya Pradesh, Himachal, Karnataka and Jharkhand also such schemes became a means of getting votes. Now Aam Aadmi Party has also come up with a similar scheme in Delhi. Whatever political parties claim, running such schemes which become a burden on the government exchequer creates problems in starting schemes that bring fundamental changes. Modi government is working on some policies with far reaching effects, such as preparations to form Jal Pradhikaran. It has also started implementing three new criminal laws. Apart from this, Modi government has started some other schemes which are effective, but their results will take time to come. No one knows when the benefits of the formation of Jal Pradhikaran with an ambitious objective will be seen. Similarly, it is also difficult to say when the National Water Policy will be implemented effectively. Keep in mind that at present the public is facing the shortage of pure drinking water. It is true that Har Ghar Nal Yojana is moving forward, but is it able to provide pure drinking water to everyone? The problems that India is facing today have become serious due to neglect in the last several years. For example, the crumbling infrastructure of cities, deteriorating air quality and excessive pollution of rivers. These problems are becoming harmful for health. The fact is that despite taking many steps to improve the condition of farmers, the goal of doubling their income is still far away. The Modi government has not been able to bring any significant improvement in the functioning of the judiciary. Timely access to justice is a distant dream. Neither the judiciary nor the bureaucracy is improving. The corruption prevailing at the lower level in the bureaucracy is not decreasing. This is because it is not being made accountable. Similarly, police reforms are also pending. The new education policy that the Modi government brought in its last term is being implemented at a very slow pace. The positive effects of this policy have not yet started to be seen. On the one hand, while a large number of youth are turning to foreign countries for higher education, the youth who are getting higher education in India are facing problems in getting employment. There are not as many jobs as the crowd of youth eager to get government jobs. Since the political reforms that are considered necessary are not happening, politics is moving away from the goal of public service. It has become a means of creating vote bank by hook or crook. The Modi government can neither be unaware of the challenges before it nor of the fact that the public's restlessness is increasing. It is true that the Modi government is trying to solve many basic problems, but it will have to keep in mind that the public wants immediate solutions to many of its problems. This will be possible only when the necessary willpower is shown to solve the problems. The Modi government is showing willpower, but it is difficult to say that it will be able to take forward the reforms in various sectors in time. It would be good if the Modi government, through the budget that it is going to present next month, not only shows that despite being away from the majority, it is a capable government and is determined to implement its agenda. Even more important is that the upcoming budget should prove to be one that increases the confidence of the people that some of their problems will be solved soon. And the solution is going to happen effectively.

Elderly suffering from neglect, society also has to fulfill its responsibility

It is not hidden from anyone that elderly people suffering from neglect of children and financially incapable are being forced to wander from door to door. Since the trend of nuclear families is increasing, the need for old age homes is increasing. Governments will have to be alert to fulfill this need but society will also have to fulfill its responsibility. This decision of the Supreme Court is highlighting a big irony of Indian society that if children do not take care of their elderly parents, then the property transferred in their name can be taken back from them. The Supreme Court had to give this decision because an elderly woman had demanded cancellation of the property transferred in the name of her son on the ground that he had stopped taking care of her after acquiring the property. On this demand of hers, the Madhya Pradesh High Court had given this decision that the property given to children cannot be taken back if they do not take care of their parents. It is welcome that the Supreme Court has given relief to the woman by reversing this decision, but will this send the right message to the society and especially to those children who do not take care of their parents or leave them to their own devices even after inheriting their property? It is pathetic to see that such cases are coming to the fore despite the Act which puts the responsibility of maintenance and welfare of parents on the children. Even after the existence of this Act, such cases keep coming to the fore in which children neglect their elderly parents. Some such cases also reach the courts. It is clear that even after a strong law, the trend of neglecting the elderly continues. This is not only happening due to the disintegration of joint families and the nuclear families being formed as a result, but also due to ignorance of family values ??and lack of sanskar. Since the responsibility of taking care of the elderly, which should be taken by the family members and especially their children, is not being taken, the number of such elderly people is increasing whose children do not care for them. Due to this, they live a lonely life, facing neglect and suffer a lot. Due to this, like in western countries, old age homes are increasing in our country too, but it should be understood that not all the elderly are financially capable enough to live in old age homes. It is no secret that the elderly who are suffering from the neglect of their children and are financially incapable are being forced to wander from door to door. Since the trend of nuclear families is increasing, the need for old age homes is increasing. Governments will have to be alert to fulfill this need, but society will also have to fulfill its responsibility. Success in this will be achieved only when the future generation will be given the message through education and values ??that it is their moral responsibility to take care of their elderly parents.door to door. Since the trend of nuclear families is increasing, the need for old age homes is increasing. Governments will have to be alert to fulfill this need but society will also have to fulfill its responsibility. This decision of the Supreme Court is highlighting a big irony of Indian society that if children do not take care of their elderly parents, then the property transferred in their name can be taken back from them. The Supreme Court had to give this decision because an elderly woman had demanded cancellation of the property transferred in the name of her son on the ground that he had stopped taking care of her after acquiring the property. On this demand of hers, the Madhya Pradesh High Court had given this decision that the property given to children cannot be taken back if they do not take care of their parents. It is welcome that the Supreme Court has given relief to the woman by reversing this decision, but will this send the right message to the society and especially to those children who do not take care of their parents or leave them to their own devices even after inheriting their property? It is pathetic to see that such cases are coming to the fore despite the Act which puts the responsibility of maintenance and welfare of parents on the children. Even after the existence of this Act, such cases keep coming to the fore in which children neglect their elderly parents. Some such cases also reach the courts. It is clear that even after a strong law, the trend of neglecting the elderly continues. This is not only happening due to the disintegration of joint families and the nuclear families being formed as a result, but also due to ignorance of family values ??and lack of sanskar. Since the responsibility of taking care of the elderly, which should be taken by the family members and especially their children, is not being taken, the number of such elderly people is increasing whose children do not care for them. Due to this, they live a lonely life, facing neglect and suffer a lot. Due to this, like in western countries, old age homes are increasing in our country too, but it should be understood that not all the elderly are financially capable enough to live in old age homes. It is no secret that the elderly who are suffering from the neglect of their children and are financially incapable are being forced to wander from door to door. Since the trend of nuclear families is increasing, the need for old age homes is increasing. Governments will have to be alert to fulfill this need, but society will also have to fulfill its responsibility. Success in this will be achieved only when the future generation will be given the message through education and values ??that it is their moral responsibility to take care of their elderly parents.

विधानसभावार आयोजित होंगे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम, यह हैं पर्यवेक्षण और नोडल अधिकारी

18, 23 और 27 जनवरी को होगा कार्यक्रम, 3451 जोड़ों के सामूहिक विवाह का है लक्ष्य, पर्यवेक्षण अधिकारी एवं नोडल अधिकारियों की देखरेख में कराया जाएगा कार्यक्रम

मुरादाबाद। जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 18 , 23 और 27 जनवरी को विधानसभा स्तर पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने बताया कि योजना के अन्तर्गत जिले में 18, 23 और 27 जनवरी को विधानसभा स्तर पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके लिए नगर निगम, विकासखंड कार्यालय, नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिकारियों को सम्बंध में निर्धारित पात्रता शर्तों के अनुरूप सत्यापन महिला, विधवा की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की दी जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी विवाह योजना के अंतर्गत जिले में 3451 का लक्ष्य मुरादाबाद सदर को 251, विकासखंड भगतपुर अगवानपुर में 50-50 समेत विधानसभा नगर/ है। विकासखंड छजलैट को 351, नगर पंचायत सहित विधानसभा कांठ में कुल 451 लाभार्थियों ठाकुरद्वारा को 351, नगर पालिका ठाकुरद्वारा को ठाकुरद्वारा में कुल 827 लाभार्थियों का लक्ष्य मिला पालिका बिलारी को 51 सहित विधानसभा गया है। इसी प्रकार विकासखंड डींगरपुर को 351, को 50 और नगर पंचायत महमूदपुर को 16 सहित सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य मिला है।

उनके क्षेत्र के आवेदकों द्वारा किए गए आवेदन पत्रों के समय से पूरा करने का निर्देश दिया है। योजना में निराश्रित पुत्री और ऐसी कन्या जो स्वयं दिव्यांग हो उसे प्राथमिकता शैलेंद्र कुमार गौतम ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक निर्धारित है। जिसमें नगर निगम को 351, विकासखंड टांडा को 351, नगर पंचायत भोजपुर, पाकबड़ा व ग्रामीण हेतु कुल 1103 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित कांठ को 50 और नगर पालिका उमरी कला को 50 का लक्ष्य है। विकासखंड डिलारी को 401, विकासखंड 50 और नगर पंचायत ढकिया को 25 सहित विधानसभा है। जबकि विकासखंड बिलारी को 251 और नगर बिलारी में कुल 302 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया विकासखंड मुंडापांडे को 351, नगर पंचायत कुंदरकी विधानसभा कुंदरकी के लिए कुल 768 जोड़ों का जिलाधिकारी ने इन अधिकारियों को बनाया पर्यवेक्षण और नोडल अधिकारी- जिलाधिकारी ने विधानसभा स्तर पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए पर्यवेक्षण और नोडल अधिकारी नामित कर जिम्मेदारी सौंपी है। जिसमें 18 जनवरी को विधानसभा नगर व ग्रामीण के लाभार्थियों के लिए आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह के लिए एसडीएम सदर को पर्यवेक्षण अधिकारी और अपर नगर आयुक्त नगर निगम मुरादाबाद, खंड विकास अधिकारी मुरादाबाद, भगतपुर टांडा, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भोजपुर, धर्मपुर, पाकबड़ा और अगवानपुर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। 23 जनवरी को विधानसभा कांठ में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए एसडीएम कांठ को पर्यवेक्षण अधिकारी और खंड विकास अधिकारी छजलैट, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत उमरी कला और नगर पंचायत कांठ को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जबकि 23 जनवरी को ही विधानसभा ठाकुरद्वारा में निर्धारित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए एसडीएम ठाकुरद्वारा को पर्यवेक्षण अधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी ठाकुरद्वारा/डिलारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका ठाकुरद्वारा, नगर पंचायत ढकिया को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। वहीं 27 जनवरी को विधानसभा बिलारी में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए एसडीएम बिलारी को पर्यवेक्षण अधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी बिलारी और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बिलारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही 27 जनवरी को ही विधानसभा कुंदरकी में प्रस्तावित सामूहिक विवाह के लिए अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम को पर्यवेक्षण अधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी डींगरपुर, मूंढापांडे, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कुंदरकी, महमूदपुर माफी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

शाहेदीन के परिवार से मिलीं सपा सांसद रुचि वीरा, बोलीं-दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए

मुरादाबाद। सपा सांसद रुचि वीरा ने रविवार रात मृतक शाहेदीन के परिवार से मुलाकात की, जो गोहत्या के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर घायल हुआ था और इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। सपा सांसद ने परिवार से मिलने के बाद कहा कि ये घटना दुखद और शर्मनाक है। जो दोषी हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मॉब लिंचिंग की घटनाओं से देश का नाम खराब हो रहा है। सांसद ने इन मामले में पुलिस के आलाधिकारियों से मुलाकात करने की बात कही। रमेश बिधूड़ी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रुचि वीरा ने कहा कि आपको अच्छी सड़क बनानी है तो बनवाएं। लेकिन, किसी भी महिला के बारे में टिप्पणी करना गलत है। वहीं महाकुंभ को लेकर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी के द्वारा दिए गए बयान पर कहा, यह लोग देश को भ्रमित करना चाहते हैं। जानबूझकर इस तरीके की बात की जा रही है कि कोई भी विकास की बात ना कर सके।

जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं, प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, मुरादाबाद द्वारा जनसुनवाई में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया । जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया । महोदय द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें ।

संक्षिप्त समाचार

बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंदा, दोनों की मौत...चालक फरार

मुरादाबाद। डिलारी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम नाखूनका में तेज रफ़्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सड़क किनारे लहुलुहान हालत में पड़े दंपति को उठाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दंपति की पहचान जिला बिजनौर के ग्राम सदकपुर थाना रेहड़ के यशपाल(50) पुत्र लाखन सिंह ओर पाकेश पत्नी यशपाल के रुप में हुई है। पुलिस के द्वारा परिजनों को हादसे की सूचना देने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। ट्रक चालक मौके का फायदा उठाकर ट्रक छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस हादसे में क्षतिग्रस्त हुई बाइक और ट्रक को कब्जे में लेकर अपने साथ थाने ले आई है। पुलिस हाइवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने में लग गई है।

नशे में पिता ने 15 दिन की बच्ची को जमीन पर पटका, गंभीर रूप से घायल... टीएमयू में भर्ती

मुरादाबाद। पाकबड़ा - शराबी पिता ने नशे में अपनी 15 दिन की बच्ची को जमीन पर पटक दिया। जिससे नवजात गंभीर रूप

से घायल हो गई। इसके बाद वह खुद भी सड़क पर दौड़ पड़ा और कार से टकराने पर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को टीएमयू में भर्ती कराया। जहां बच्ची का इलाज चल रहा है। वहीं पिता ठीक है। थाना क्षेत्र के गांव बागड़पुर में गोपाल उर्फ छोटू के घर में राजेश अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ किराए पर रहता है। दोनों एक साथ पैरामाउंट कंपनी में काम करते हैं। गोपाल ने जब राजेश से किराया मांगा तो उनमें कहासुनी होने लगी। इसी बीच राजेश एवं उसकी पत्नी ने सामान बांध लिया और कमरा छोड़ने के लिए तैयार हो गए। राजेश ने अपने रिश्तेदारों के साथ जमकर शराब पी ली। बाद में उसने मकान मालिक को फंसाने के लिए अपनी 15 दिन की बच्ची को नशे में जमीन पर पटक दिया। जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जैसे ही इसकी सूचना पुलिस को मिली थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को देख राजेश भी सड़क पर दौड़ पड़ा। जिससे वह हल्का सा कार से टकरा गया। पुलिस ने तुरंत दोनों को टीएमयू में भर्ती कराया। जहां बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। जबकि पिता की हालत ठीक है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पहले तो सूचना मिली थी कि उसके बहनोई की हत्या कर दी गई है। जब मौके पर पहुंचे तो सारा मामला समझ में आया कि उसने ही अपनी बच्ची को शराब के नशे में पटक डाला। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है।

तेज़ रफ़्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंदा, दोनों की मौके पर मौत ट्रक चालक मौके से फरार

क्यूँ न लिखूँ सच -नाजिम हुसैन

मुरादाबाद- डिलारी क्षेत्र के ग्राम नाखूनका में तेज रफ़्तार ट्रक चालक ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। जिसमें हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विवेक शर्मा ठाकुरद्वारा थाना डिलारी योगेश कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सड़क किनारे लहुलुहान हालत में पड़े दंपति को उठाकर इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही दंपति की पहचान ग्राम सदकपुर थाना रेहड़ जिला बिजनौर के यशपाल(50) पुत्र लाखन सिंह ओर पाकेश पत्नी यशपाल के रुप में हुई है। पुलिस के द्वारा परिजनों को हादसे की सूचना देने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वही ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया है। पुलिस हादसे में क्षतिग्रस्त हुई बाइक और ट्रक को कब्जे में ले लिया है। साथ ही पुलिस हाइवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने में जुटी हैं वही एएसपी अमरिंदर सिंह, ने बताया कि अगर परिजनों की तरफ से तहरीर मिलती हैं तो पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी।

मुरादाबाद में दंपती की मौत: जन्मदिन में शामिल होने जा रहे थे, हाईवे पर ट्रक ने बाइक को कुचला, सदमे में परिजन

मुरादाबाद में जन्मदिन समारोह में जा रहे दंपती की बाइक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है।जन्मदिन समारोह में शामिल होने जा रहे एक दंपती की हाईवे पर दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से टक्कर मारकर बाइक सवार पति-पत्नी को कुचल दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानानगर उर्फ सादकपुर निवासी यशपाल चौहान (48) और उनकी पत्नी पाकेश देवी (45) सोमवार

दोपहर बाइक से अपने भांजे शिवेंद्र कुमार के पुत्र सूर्यांश कुमार के जन्मदिन समारोह में शामिल होने गांव जटपुरा जलालपुर (मुरादाबाद) जा रहे थे।काशीपुर-मुरादाबाद स्टेट हाईवे पर गांव नाखूनका (थाना डिलारी) के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसमें दोनों सड़क पर गिर गए और ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे में दंपती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची डिलारी पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मुरादाबाद भेज दिया। भांजे शिवेंद्र कुमार की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ट्रक को कब्जे में ले लिया है। थानाध्यक्ष डिलारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। हादसे ने खुशी के माहौल को गम में बदल दिया। जन्मदिन समारोह की तैयारियों के बीच जब यशपाल और उनकी पत्नी के मौत की खबर पहुंची तो घर में मातम छा गया। परिजन घटना से गहरे सदमे में हैं। काशीपुर-मुरादाबाद हाईवे पर अक्सर इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर यातायात नियमों के सख्त पालन और ट्रक चालकों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

पुलिस ने बताया कि ट्रक की पहचान हो गई है। चालक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विधायक शहजिल के पिता पर पूर्व विधायक ने लगाए गंभीर आरोप, जताई नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक सुल्तान बेग और भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम के बीच प्रतिष्ठा की जंग शुरू हो गई है। बीते दिवस गांव पंखुरी में बैठक के दौरान सुल्तान बेग ने विधायक शहजिल इस्लाम और उनके पिता इस्लाम साबिर को घेरा। पूर्व विधायक ने कहा कि पार्टी के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के पद बैठे कश्यप समाज के व्यक्ति के लिए इस्लाम साबिर ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। अगर उनकी कही बातें सार्वजनिक हो जाएं तो क्या कश्यप समाज का वोट पार्टी को मिलेगा? भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र के एक पूर्व अध्यक्ष की तरफ इशारा करते हुए कहा कि विधायक शहजिल इस्लाम और उनके पिता इस्लाम साबिर ने उनको घर बुलाकर अपशब्द कहे थे। विधायक पर कई आरोप लगाए - सुल्तान बेग ने बंजरिया जागीर के बीडीसी सदस्य अब्दुल कय्यूम पर मुकदमा लिखवाने की बात भी साझा की। बैठक में भोजीपुरा विधायक पर कई आरोप लगाए गए। मौजूद लोगों से कहा कि आपको ऐसा विधायक चुनना है जो हर समय आपके साथ हो। इस मामले में जितना दोष विधायक शहजिल इस्लाम का है, उससे ज्यादा मतदाताओं का भी है। इस दौरान सपा के भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष टीकाराम कश्यप समेत मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे। भोजीपुरा के सपा विधायक शहजिल इस्लाम ने कहा कि बैठक में पूर्व विधायक ने क्या बातें कहीं और क्या आरोप लगाए, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। बगैर जानकारी कुछ कहना ठीक नहीं।

शीतलहर के चलते धूप रही बेअसर; रुहेलखंड में शीत लहर जारी

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। रुहेलखंड में कोहरे और कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। बरेली में शीतलहर नश्तर सी चुभ रही है। सोमवार को भी दोपहर में धूप खिली, लेकिन सर्द हवा से बेअसर रही। रात से फिर कोहरा छाने लगा। सोमवार सुबह कोहरे के साथ हुई। दोपहर 12 बजे से कोहरा छंटने लगा। हल्की धूप खिली, लेकिन शीतलहर चलने से गलन बरकरार है। पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर और लखीमपुर खीरी में भी ठंड से लोग बेहाल दिखे। मौसम विभाग ने कोल्ड डे कंडीशन का अनुमान जताया है। कोहरे का असर रेल यातायात पर भी देखा गया। पीलीभीत में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। दिन में धूप खिलने के बाद रात से कोहरा पड़ने लगा। सोमवार सुबह 10 बजे के बाद तक जिला कोहरे की चादर में लिपटा रहा। घने कोहरे में मार्गों पर वाहनों का कम दबाव दिखा। वाहन चालक लाइट जलाकर ही गुजरते दिखे। वहीं शीतलहर से गलन ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। ठंड से राहत से आसार नहीं शाहजहांपुर में सोमवार सुबह भी कोहरे का असर बरकरार रहा। रात से ही कोहरा ओस के रूप में गिरता रहा। सुबह कोहरा का अच्छा खासा असर रहा। ठिठुरन बढ़ गई है। न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । उत्तर और पश्चिमी हवा चल रही है। अभी ठंड से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सीएम से मिले , डॉक्टरों की समस्याओं और वार्षिक सम्मेलन पर की चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य डॉक्टरों से जुड़ी समस्याओं और भारतीय चिकित्सा संघ (आई.एम.ए), उत्तर प्रदेश के वार्षिक अधिवेशन/कॉन्फ्रेंस के लिए निमंत्रण देना था। बैठक में डॉ. अरुण कुमार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत डॉक्टरों और अस्पतालों को भुगतानों में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि इन भुगतानों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द जारी किया जाए ताकि डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों को राहत मिल सके। इसके अलावा, मंत्री ने मुख्यमंत्री जी को सूचित किया कि भारतीय चिकित्सा संघ (आई.एम.ए), उत्तर प्रदेश का वार्षिक अधिवेशन 29 और 30 नवंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की मेज़बानी आईएमए बरेली शाखा करेगी। डॉ. अरुण कुमार ने मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में इस अधिवेशन का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया, जो 29 नवंबर 2025 को दोपहर 2:30 बजे निर्धारित है। डॉ. अरुण कुमार ने अस्पतालों के पंजीकरण की अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि यह कदम डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के लिए एक बड़ी राहत है, जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक के दौरान इन मुद्दों पर सकारात्मक रुख दिखाया और अधिवेशन में भाग लेने के निमंत्रण पर विचार करने का आश्वासन दिया।यह बैठक डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। अब देखना होगा कि सरकार इन समस्याओं को हल करने के लिए कितनी तेजी से कदम उठाती है।

इस मांग को पूरी होने पर ही जुबान खोलेंगे मौनी बाबा; 51 घड़ों में रखे जल से तड़के स्नान करते हैं ये

मौनी बाबा इस मांग को पूरी होने तक जुबान नहीं खोलेंगे। वो 12 साल से मौन व्रत का संकल्प लिए हुए हैं। उधर, श्री शंभू पंच दशनाम अटल अखाड़े के नागा बाबा नौ साल से अनूठा तप कर रहे हैं।संगम की रेती तपस्वी साधु-संतों से गुलजार होने लगी है। इनकी साधना देख आश्चर्य भी होता है, मन में अपार श्रद्धा भी उत्पन्न होती है। सेक्टर-20 अग्नि अखाड़े में एक ऐसे ही संत आए हैं। वह पिछले 12 वर्षों से मौन धारण किए हैं। मौन होकर तपस्या करने की वजह से वह मौनी बाबा के नाम से विख्यात हो गए हैं। अगर उन्हें किसी से कुछ कहना होता है तो वह बोर्ड पर लिख देते हैं। राजस्थान के उदयपुर से आए रामानुज पुरी महाराज अग्नि अखाड़े के नागा संन्यासी हैं। वह देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 12 साल से मौन व्रत का संकल्प लिए हुए हैं। शिष्यों को अपनी बात समझाने के लिए अपने पास एक डिजिटल बोर्ड व एक कलम रखे हुए हैं। जिसपर लिखकर जरूरत की चीजों को मांगते हैं। कोई अन्य बात भी इसी के माध्यम से वह अपने शिष्यों तक पहुंचाते हैं। डिजिटल बोर्ड होने की वजह से लिखा हुआ आसानी से मिट भी जाता है। उनके शिष्य बताते हैं, पहले वह सामान्य बोर्ड पर चॉक से लिखते थे। कुछ वर्ष पहले ही उन्होंने डिजिटल बोर्ड का इस्तेमाल शुरू किया है। उनके गुरु भाई नागा संन्यासी कन्हैया पुरी बताते हैं कि देश और विदेश में आए दिन हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। इसी को देखते उनके गुरु भाई रामानुज पुरी महाराज 12 साल पहले देश के हिंदू राष्ट्र बनने तक मौन धारण करने का संकल्प लिए थे। इस साल उनके संकल्प का 12 साल पूरा हो गया। वह बताते हैं, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती वह अपनी जुबान नहीं खोलेंगे। 51 घड़ों में रखे गंगाजल से तड़के स्नान करते हैं बाबा प्रमोद गिरि सेक्टर-20 में श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़े के राजस्थान के नागा बाबा प्रमोद गिरि जी महाराज अनूठी साधना में लीन हैं। वह हर दिन तड़के 4:15 बजे मिट्टी के 51 घड़ों में रखे गंगाजल से स्नान करते हैं। शिविर में भक्त विशेष आसन पर बैठाकर उन्हें स्नान कराते हैं। उनकी यह अनूठी साधना 21 दिनों तक चलेगी। बाबा विश्व शांति और भारत के कल्याण के लिए नौ साल से इस साधना में लीन हैं। भक्त रात में ही 51 घड़ों में गंगाजल भरकर रख देते हैं। इसके बाद बाबा तड़के स्नान करते हैं। बाबा बताते हैं, शुक्रवार को पहले दिन का स्नान हुआ। हर अगले दिन दो और फिर तीन घड़े बढ़ते जाएंगे। साधना के आखिरी दिन घड़ों की संख्या 108 हो जाएगी। बाबा जाड़े में ठंडे जल और गर्मी में गर्म जल से नौ साल से स्नान करते आ रहे हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

श्री हरि मंदिर महिला मंडल किया भंडारा वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। सोमवार को श्री हरि मंदिर बरेली के मुख्य द्वार पर कड़के की ठंड में श्री हरि मंदिर महिला मंडल की सदस्यों व अध्यक्ष रेनू छाबड़ा ने नेतृत्व में राहगीरों ,बच्चों आदि को पुलाव,पूरी चने ,वा चाय का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा,कंचन अरोड़ा,नीलम साहनी,ममता ओबेरॉय,नेहा आनंद,मीरा कथूरिया,विमल सोंधी,सीमा तनेजा,ज्योति खुराना, सोनिका आहुजा आदि सेवा में शामिल थे।

कुंभ स्नान करने जा रहे साधु से लूट, मोबाइल और 85000 रुपये लेकर भाग निकला स्कॉर्पियो चालक

कुंभ स्नान करने प्रयागराज जा रहे साधु से लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कॉर्पियो चालक मोबाइल और 85000 रुपये लेकर भाग निकला। छतरपुर से प्रयागराज जा रहे एक मंदिर के पुजारी ने आरोप लगाया कि धोखा देकर वाहन चालक फरार हो गया। वाहन में उनके 1 लगभग 85 हजार रुपये, मोबाइल, झंडा बैनर भी रखे थे। साधु ने शहर के धनुष चौराहे पर धरना भी दिया। उन्हें समझाने के लिए एडीएम व अपर एसपी पहुंचे।छतरपुर मप्र के धनुषधारी संकट मोचन मंदिर के अधिकारी पुजारी प्रीतू त्रिपाठी उर्फ परमात्मादास महराज ने बताया कि कर्वी के एसडीएम कालोनी निवासी चालक की एक माह तक कुंभ स्नान के लिए गाड़ी बुक की थी। इसका एग्रीमेंट नोटरी कराया है। बताया कि गाड़ी मालिक भोपाल निवासी हैं। वाहन को लेकर चालक के साथ वह प्रयागराज जा रहे थे। रास्ते में गुरुभाई भरतदास महराज वाल्मीकि आश्रम से मिलने के लिए ठहरे। आश्रम मे गाड़ी खड़ी कराकर चले गये। बताया कि जब गुरुभाई से मिल कर वापस आये तो देखा कि चालक वाहन सहित नदारद रहा।सोमवार को साधु ने शहर के धनुष चौराहे पर धरना दिया। एडीएम उमेश चंद्र व अपर एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने समझाकर कोतवाली भेजा। कोतवाल उपेंद्र सिंह ने बताया कि साधु व गाडी मालिक को बुलाकर जानकारी ली गई। एग्रीमेंट के अनुसार गाड़ी मालिक ने एडवांस रुपये लौटा दिए हैं। अब उनका एग्रीमेंट मान्य नहीं है। इसके बाद साधु बिना रिपोर्ट दर्ज कराए चले गए।

गैंगवार में युवक की हत्या: पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचे आठ आरोपी, केडी के पैर में लगी गोली; अस्पताल में भर्ती

रंगबाजी में हुए विवाद के दौरान युवक को गोली लगी थी। इस हत्याकांड के आठ आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी में है। आगरा में 31 दिसंबर की रात कारगिल तिराहे के पास कार सवार दो गुटों में झगड़े के दौरान हुई फायरिंग में हुई युवक की मौत के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ये वारदात रंगबाजी को लेकर हुई। पुलिस ने इस हत्याकांड के आठ आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया है। इसमें से एक आरोपी केडी पंडित के पैर में गोली लगी है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर कारगिल तिराहे के पास कार सवार दो गुटों में झगड़े के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल नगर निवासी एसी मैकेनिक आमिर (23) के रूप में हुई। आमिर कैब चालक साथी आकाश के साथ स्कूटर पर सवार थे। इसी दौरान गोली आकर उनके पेट में लग गई। फायरिंग से इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी पुलिस को एक घंटे बाद मिल सकी।वारदात उस समय हुई जब राहुल नगर, बोदला निवासी आमिर और आकाश स्कूटर से पश्चिमपुरी की तरफ जा रहे थे। कारगिल तिराहे के पास एफआरडी कैफे के बाहर कुछ युवक झगड़ रहे थे। लोगों की भीड़ भी लगी हुई थी। आमिर भी रुक गए। अचानक गोली चलने लगी। यह देखकर लोग भागने लगे। आमिर और आकाश भी भागे लेकिन अचानक गोली लगने से आमिर वहीं गिर पड़े। आकाश दूर चला गया। आमिर को नहीं देखकर फोन मिलाया मगर कोई जवाब नहीं मिला। इस पर आकाश वापस आकर देखने लगा। आमिर सड़क पर खून से लथपथ पड़े मिले। इस पर लोगों की मदद से ऑटो में भगवान टाकीज स्थित अस्पताल लेकर पहुंचा। मगर, चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ सामूहिक हत्याकांड: अब यहां दिखा बदर! पुलिस पहुंची लेकिन... डर से बंद हो गया इनका रोजगार

लखनऊ हत्याकांड में शामिल आरोपी पिता बदर के यूपी के इस जिले में दिखने की सूचना पर पुलिस ने दौड़ लगाई। पुलिस वहां के सीसीटीवी खंगाल रही है। अभी तक वो हाथ नहीं आ सका है।आगरा के इस्लाम नगर, टेढ़ी बगिया में मोहम्मद बदरुद्दीन की तीन दिन तलाश करने के बाद रविवार को लखनऊ पुलिस लौट गई। दोपहर में ट्रांस यमुना थाने की पुलिस को फिरोजाबाद में दिखने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने दौड़ लगाई। मगर, वह थाना नाका क्षेत्र स्थित होटल में मां और चार बेटा अरशद समर्पण करने के बाद से जेल में है। बयान- शुक्रवार को लखनऊ पुलिस के दो की सुबह टीम लौट गई। थाना ट्रांस यमुना के गया था। शाम करीब 4:30 बजे लौटते समय रहा था।पुलिस से बचने के लिए इधर-उधर घूम आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। उधर घूम रहा है। अब फिरोजाबाद और टूंडला परिचित-बदरुद्दीन और अरशद दिल्ली से पुराने जगदीशपुरा, खंदौली और छत्ता इलाके के लोग भी हैं। पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की। मगर, कोई सुराग नहीं मिल सका।डर से बंद हो गया रोजगार-इस्लाम नगर के लोगों पर बदरुद्दीन और अरशद ने उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। पड़ोसियों को भी पूरी घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। तब से पुलिस मोहल्ले के लोगों से पूछताछ कर रही है। कई को थाने भी बुलाया था। पुलिस कार्रवाई के डर से लोग अपनी दुकान नहीं खोल पा रहे हैं। काम पर भी नहीं जा पा रहे हैं। बदरुद्दीन के पड़ोसी आफताब की परचून की दुकान है। वह घटना के बाद से बंद है। जमीन खरीदने वाले अलीम का परिवार भी अपना व्यापार नहीं कर पा रहा है।पिता की मदद से बेटे ने चार बहनों और मां को मार डाला-यूपी की राजधानी लखनऊ के नाका स्थित होटल शरणजीत में मंगलवार की देर रात आगरा के इस्लाम नगर, तेहड़ी बगिया, कुबेरपुर निवासी अरशद ने पिता बदर के साथ मिलकर चार बहनों और मां की हत्या कर दी। सभी अजमेर से लखनऊ आए थे और सोमवार को होटल में कमरा लेकर ठहरे थे। हत्या से पहले आरोपी पिता-पुत्र ने सभी को शराब पिलाई। अरशद ने इस दौरान वीडियो भी बनाया। पुलिस ने अरशद को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बदर की तलाश जारी है।नाका स्थित होटल शरणजीत में ठहरे थे सभी-डीसीपी मध्य रवीना त्यागी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे अरशद लोको पुलिस चौकी पहुंचा। अरशद ने पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने पिता के साथ मिलकर मां और चार बहनों की हत्या कर दी है। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो पता चला कि घटना नाका इलाके की है। इसके बाद नाका पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस होटल के कमरे में दाखिल हुई तो भीतर पांच के शव बिस्तर पर पड़े थे।पूछताछ में अरशद ने बताया कि उसने पिता के साथ मिलकर मां अस्मा (49), बहन अल्शिया (19), रहमीन (18), अक्सा (16) और आलिया (9) की हत्या की है। आरोपी ने बताया कि मोहल्ले वाले उसके परिवार को परेशान कर रहे थे। इसकी वजह से पिता-पुत्र को डर था कि अगर उन्हें कुछ हो गया, तो परिवार के लोगों का क्या होगा। साजिश के तहत दोनों पहले परिवार को अजमेर लेकर गए। इसके बाद लखनऊ लाए थे।नए साल की पार्टी के नाम पर पिलाई शराब-साजिश के तहत आरोपी पिता-पुत्र ने परिवार से नए साल की पार्टी लखनऊ में मनाने की बात कही। मंगलवार रात में पार्टी के नाम पर सभी को शराब पिलाई। आरोपियों ने नाबालिग बच्चियों को भी जबरन शराब पिलाई ताकि बेसुध होने पर उनकी हत्या की जा सके। शराब पिलाने के बाद मंगलवार रात दो बजे अरशद ने पिता के साथ मिलकर पहले मां अस्मा का ब्लेड से गला रेता। फिर हाथ की नस काट दी। गला रेतने के साथ ही हाथ की नस काटी-इसके बाद बहन अल्शिया और रहमीन का गला रेतने के बाद हाथ की नस काट दी। वहीं, बदर ने अक्सा और आलिया की गला घोंटकर हत्या कर दी। दोनों के हाथ की नस भी काटी। वे चीख-चिल्ला न सके इसलिए सभी के मुंह में कपड़ा ठूस दिया था। यही नहीं, कोई जिंदा न बचे इसलिए हाथ की नस काटने के बाद दुपट्टे से गला भी कसा था।

प्रेमिका के घर प्रेमी का कत्ल: शादी का दबाव बनाने पर युवक का मर्डर, इस बात से खफा था परिवार; शिखा ने बताया सच

यूपी के इस जिले में शादी का दबाव बनाने पर युवक की प्रेमिका के घर में पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। प्रेमिका और मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दोनों के रिश्ते का परिजन विरोध करते थे।फतेहपुर में शादी का दबाव बनाने पहुंचे युवक की प्रेमिका के घर में पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव जंगल में कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने प्रेमिका के कबूलने पर शव बरामद किया। प्रेमिका समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रेमिका और उसकी मां को गिरफ्तार है।असोथर थाना इलाके के विधातीपुर गांव निवासी सुरेश रैदास का 10 दिन पहले बड़े भाई शिवप्रताप के साथ मुंबई काम पर गया था। स्टेशन पहुंचा। यहां उसने असोथर थाना क्षेत्र के बेरुई गांव निवासी बहन दोबारा रात 10 बजे फोन किया। फोन पर भाई के सिसकने की आवाज थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में रहने वाले रिश्तेदारों से संपर्क किया। यहां उसकी मां हिरासत में- खोजबीन के दौरान शनिवार को सूखे तालाब के गुमशुदगी दर्ज कर युवक को तलाशना शुरू किया। संदेह के आधार पर लिया। प्रेमिका ने कबूली हत्या की बात पूछताछ में प्रेमिका ने महेंद्र की का शिखा से प्रेम प्रसंग था। परिजनों ने उनकी शादी भी तय कर दी थी। दी थी। प्रेमिका से मिलने पहुंचा था महेंद्र- शादी टूटने के बाद भी दोनों पहुंचा। जहां लड़की ने अपनी मां नीलम, मौसी पूनम, मौसा संजय, पिता युवक के शरीर पर करीब 25 से 30 चोटें दिखी हैं। नाजुक अंग पर भी प्रारंभिक जांच में यह साफ हो रहा कि लड़की के परिवार के लोग रिश्ता करती थी। कुएं से महेंद्र के मिले शव के हालात को देखकर अंदाजा असोथर थाने के विधातीपुर गांव से बेटे की मौत की खबर पर पिता बताया कि रामपुर गांव में पुरानी रिश्तेदारी में बेटा महेंद्र आता-जाता था। शिखा उनके घर आ गई थी। दोनों ने मंदिर में कर ली थी शादी- समझाकर और शिखा भागकर लुधियाना जा रहे थे। वह कन्नौज पहुंचे थे। दोनों पक्षों किसी मंदिर में शादी रचाकर रील्स वायरल की थी। रील्स में शिखा की रिश्ता टूटने पर लड़की पक्ष के घर गया था। जहां उसे पुलिस बुलाकर

पकड़वा दिया था। एक बार लड़की पक्ष ने मारपीट भी की थी। लड़की के घर से शव करीब 600 मीटर दूर सूखे कुएं से मिला। कुएं में महेंद्र छाती पर हाथ समेटे पड़ा था। जिससे प्रतीत होता है कि उसे मरणासन्न हालत में फेंका होगा। मौसा की बाइक घर से मिली- हत्या के बाद से मौसा, पिता और पूनम फरार है। पुलिस को लड़की के दरवाजे से मौसा की अपाचे बाइक मिली है। लड़की का पिता मजदूरी करता है। मौसा वायरिंग का काम करता है।बैग से मिले कपड़े पहचाने, रिपोर्ट में प्रेमिका पर बुलाने का आरोप-मुंबई से महेंद्र अचानक गांव जाने को निकला था। बड़े भाई ने महेंद्र के जाने की खबर फोन से परिजनों को दी थी। वह गांव जाने के बजाए सीधे प्रेमिका के घर पहुंचा। महेंद्र के पिता ने आरोप लगाया कि शिखा ने ही साजिश के तहत बेटे को बुलाया था। जहां सभी ने मिलकर हत्या कर दी। सीओ बृजमोहन राय ने बताया कि प्रेमिका समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रेमिका व उसकी मां को पकड़ा गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ओयो होटल में अब अविवाहित जोड़ों को नहीं मिलेगी एंट्री; यूपी के इस शहर से कंपनी ने लागू की नई नीति

ओयो के होटलों में अब अविवाहित जोड़ों को प्रवेश नहीं मिलेगा। संशोधित नीति के तहत, सभी जोड़ों को चेक-इन के समय रिश्ते का वैध प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल है।ओयो होटलों में ठहरने की योजना बना रहे अविवाहित जोड़ों के लिए बुरी खबर है। ओयो ने मेरठ से नई नीति लागू की है, जिसमें अब अविवाहित जोड़ों को चेक-इन की इजाजत नहीं होगी। इसका मतलब होटल के कमरे में एंट्री सिर्फ उन्हीं को मिलेगी, जो पति-पत्नी हैं।नई पॉलिसी के मुताबिक, चेक-इन के समय हर जोड़ों को अपने रिश्ते का वैध प्रमाण दिखाना होगा। चाहे बुकिंग ऑनलाइन की गई हो या ऑफलाइन। कंपनी का कहना है कि यह कदम स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। ओयो ने

अपने पार्टनर होटलों को यह अधिकार दिया है कि वे अविवाहित जोड़ों की बुकिंग को अस्वीकार कर सकते हैं। कंपनी ने मेरठ के होटलों को इस पॉलिसी को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है।कंपनी के उत्तर भारत के क्षेत्रीय प्रमुख पावस शर्मा ने कहा, ओयो एक सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम व्यक्तिगत आजादी का सम्मान करते हैं, लेकिन साथ ही स्थानीय कानून और सामाजिक समूहों की चिंताओं को भी समझते हैं। यह पॉलिसी ओयो को लंबे समय से मिल रहे फीडबैक का नतीजा है। खासतौर पर मेरठ में सामाजिक समूहों और स्थानीय नागरिकों ने इस मुद्दे को उठाया था। अन्य शहरों से भी ऐसी मांगें आई हैं। उत्तर भारत में ओयो के रीजनल हेड पावस शर्मा ने कहा कि कंपनी पूरी तरह से सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य प्रथाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। जबकि हम व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं। हम समय-समय पर इस नीति और इसके प्रभाव की समीक्षा करते रहेंगे। ओयो कंपनी ने कहा कि यह पहल पुरानी धारणा को बदलने और खुद को परिवारों, छात्रों, व्यवसाय, धार्मिक और अकेले यात्रियों के लिए सुरक्षित अनुभव प्रदान करने वाला ब्रांड है। इसके अलावा कार्यक्रम का उद्देश्य लंबे समय तक ठहरने और बार-बार बुकिंग को प्रोत्साहित करना है। जिससे ग्राहकों का विश्वास और वफादारी कंपनी की तरफ बढ़ेगी।

उपलब्धि: राष्ट्रीय प्रतियोगिता में करतब दिखाएंगे काशी के जिमनास्ट, जम्मू में 10 से 13 तक होगा आयोजन

राष्ट्रीय एरोबिक्स जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश की टीम में वाराणसी के पांच जिमनास्ट का चयन हुआ है। 10 से 13 जनवरी तक जम्मू के मौलाना आजाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाली प्रतियोगिता में काशी के जिमनास्ट करतब दिखाएंगे। जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय एरोबिक्स जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में यूपी टीम से वाराणसी के पांच जिमनास्ट करतब दिखाएंगे। जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित यह प्रतियोगिता 10 से 13 जनवरी तक जम्मू के मौलाना आजाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेली जाएगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश की टीम में वाराणसी के पांच जिमनास्ट का चयन हुआ है। वाराणसी जिला जिम्नास्टिक्स संघ के महासचिव अखिलेश रावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यूपी के खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर 27 दिसंबर 2024 से 6 जनवरी 2025 तक खेल गांव पब्लिक स्कूल प्रयागराज में लगाया गया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने वाली यूपी की टीम आठ जनवरी को जम्मू के लिए रवाना होगी। यूपी टीम में चयनित खिलाड़ियों में अनिरुद्ध स्वर्णकार, याशिका वर्मा, देवांश सिंह, सान्वी जाजोदिया और प्रांजलि सिंह शामिल हैं। टीम कोच की जिम्मेदारी आशीष शर्मा और रविकांत मिश्र को दी गई है। नौ वर्ष के अनिरुद्ध जीत चुके हैं 11 पदक राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हनुमान घाट निवासी नौ वर्षिय अनिरुद्ध स्वर्णकार अबतक 11 पदक जीत चुके हैं। कोच आशीष शर्मा ने बताया कि उनके पिता काशी विश्वनाथ मंदिर में काम करते हैं। अनिरुद्ध अबतक जिलास्तरीय प्रतियोगिता में छह स्वर्ण, प्रादेशिक में दो स्वर्ण और दो रजत जबकि ओपेन नेशनल में एक कांस्य पदक जीत चुके हैं।

कोटपा अधिनियम अंतर्गत की गई कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ /कोटपा अधिनियम अंतर्गत स्कूलों के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की जांच की गई एवं दुकानों पर विक्रय हेतु गुटखा/पाउच पाए जाने पर पंचनामा बनाकर जप्त किये गए कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार कोटपा अधिनियम सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों अधिनियम 2003 की धारा 6 के तहत स्कूलों के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की जांच की गई एवं दुकानों पर विक्रय हेतु गुटखा/पाउच पाए जाने पर गुटखा/पाउच इत्यादि विक्रय नही करने ममता मिमरोट एवं मुख्य नगर पालिका के बाहर मेन रोड पर अवैध रूप से लगी साथ ही भारत सरकार के सिगरेट और के तहत शैक्षणिक संस्थानो के आस पास दुकानदार के मान से कुल 05 दुकानदारों राशि प्राप्त की गई। साथ ही उन्हें चेतावनी आस पास सिगरेट और अन्य तंबाकू दौरान टी .आई. के. एल. वरकडे मय एस. आई. रावत, विनोद भूरिया, कस्बा रहे। झाबुआ में कोटपा अधिनियम के पालिका अधिकारी झाबुआ एसएस एवं कोटपा का नोडल अधिकारी देवेन्द्र

पंचनामा बनाकर जप्त किये गए तथा उन्हें भविष्य में हेतु चेतावनी भी दी गई। मेघनगर में तहसीलदार अधिकारी राहुल सिंह वर्मा के नेतृत्व में सीएम राइज हुई 06 दुकानों को अतिक्रमण मुक्त किया गया। अन्य तंबाकू उत्पादों अधिनियम 2003 की धारा 6 बिक्री कर रहे दुकानदारों के विरुद्ध 200 रुपए प्रति के विरुद्ध जुर्माना अधिरोपित कर 1000 रुपए की भी दी गई कि भविष्य में शैक्षणिक संस्थानों के उत्पादों की बिक्री ना की जाए। उक्त कार्यवाही के स्टाफ एवं नगर परिषद उपयंत्री सुरेश गणावा एवं पटवारी दिलीप भूरिया आदि कर्मचारी गण उपस्थित अंतर्गत तहसीलदार सुनील कुमार डावर, मुख्य नगर चौहान, औषधि निरीक्षक झाबुआ गीतम पठोदीया भायल के द्वारा शहरी क्षेत्र के शासकीय महाविद्यालय झाबुआ, उत्कृष्ट विद्यालय झाबुआ के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की जांच की गई, थांदला में कोटपा अधिनियम के तहत तहसीलदार थांदला अनिल बघेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पप्पू बारिया, निकाय दरोगा एवं अन्य कर्मचारियों के द्वारा शहरी क्षेत्र के शासकीय विद्यालय के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की जांच की गई, राणापुर में तहसीलदार राणापुर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी राणापुर के द्वारा, झाबुआ के पिटोल में कोटपा अधिनियम के अंतर्गत स्कूलों के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की ग्राम पंचायत नायब तहसीलदार, सरपंच, सचिव, पटवारी द्वारा जांच की कार्यवाही की गई।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार शिक्षा मित्र हुई मौत, एक गंभीर रूप घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन) सिरसा कलार थाना क्षेत्र ग्राम खडगुई एवं हाल निवासी नया पटेल नगर चुर्खी बाईपास रामेश बाबू पुत्र रामनारायण एवं उनका छोटा भाई सुरेश कल शाम को औरया जालौन रोड पर स्थित गांव प्रतापपुरा किसी काम से गए हुए थे प्रतापपुरा से लोटते वक्त जालौन रोड पर तेजगति से सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाईक सवार दो युवक गंभीर रूप घायल हो गए राहगीरों की मदद से पुलिस को सूचना दी गई एवं एम्बुलेंस को सूचना दी मौके पर पहुंची एम्बुलेंस में समुदाय केन्द्र जालौन में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने रामेश बाबू को मृत घोषित कर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज जबकि सुरेश को उच्च संस्थान रिफर कर दिया बताया गया कि रामेश बाबू शिक्षामित्र पद पर कार्यरत थे जो आपने गांव खडगुई में तैनात वर्तमान निवास उरई नया पटेल नगर चुर्खी बाईपास पर है घर पर नाती की छटी का कार्यक्रम आयोजित होना था उसी का निमंत्रण देने गए थे।

मुख्यमंत्री के निर्देशों को ठेंगा दिखा रहे अस्पताल में संविदा पर तैनात डाक्टर लिख रहे बाजार की दवाई

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन)। मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल अस्पताल में संविदा पर तैनात डाक्टर आने वाले गरीब मरीजों को बाहर की दवाईयां लिखने से कुरेज नहीं करते दिख रहे है जबकि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहुत पहले अस्पताल के डाक्टरों को फरमान जारी कर चुके है कि अस्पताल आने वाले मरीजों को कोई भी डाक्टर बाहर दवाईयों को नहीं लिखेगा। इसके बाद भी अस्पताल में तैनात संविदा कर्मी डाक्टर मरीजों को पर्चे पर कमीशन के चक्कर में लिखने से नहीं चूंक रहे है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने अपने अस्पताल निरीक्षण के दौरान मरीजों को बाहर दवाएं न लिखने की हिदायत डाक्टरों को दे चुके है इसके बाद भी अस्पताल में संविदा पर तैनात डाक्टर डा. आदिल अंसारी सर्जन, डा. अमित मिश्रा फिजीशियन, डा. डा. शिवेश वर्मा जो गरीब मरीजों को बाहर की दवाएं लिखने से नहीं चूक रहे है। शहर के मुहल्ला गणेशगंज उरई निवासी संतोष पुत्र गंगाराम व अजाना पत्नी सलमान निवासी उरई ने आरोप लगाते हुए बताया कि वह अपने मरीज को दिखाने के लिए अस्पताल की ओपीडी कक्ष में संविदा पर तैनात डा. शिवेश वर्मा को दिखाया तो उन्होंने मरीज को बगैर देखे ही सरकारी पर्चे पर मेहंगी दवाएं लिख दी जिन्हें खरीदने की गरीब के पास पैसे भी नहीं थे। उक्त गरीब लोगों का कहना है कि वह इस मामले की शिकायत सीएमओ व जिलाधिकारी कर ऐसे डाक्टरों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करेंगे जिससे गरीब लोगों को उपचार में राहत मिल सके।

लुटेरी दुल्हन मामले में एक और वीडियो सामने आया... बिचौलिया बोली- पहले रकम दो तब कराऊंगी शादी

गोरखपुर के खजनी में सीतापुर के दूल्हे के साथ हुई धोखाधड़ी का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बिचौलिया महिला पीड़ित कमलेश से कह रही है कि वह पहले रुपये दे तब उसकी शादी कराएगी। वीडियो में वह इस बात पर नाराजगी जता रही है कि जब 30 हजार रुपये तय थे तो उसे 28 हजार क्यों दिए जा रहे हैं।उधर, पीड़ित कमलेश ने बताया कि सीतापुर का दलाल उसे धमका रहा है। खजनी इलाके के प्रसिद्ध जयेश्वरनाथ शिव मंदिर भरोहियां में सीतापुर से कमलेश अपने बेटे के साथ शादी करने पहुंचा था। इस दौरान बिचौलिया महिला और दुल्हन से कमलेश की बातचीत करते वीडियो वायरल हुआ है। कमलेश का आरोप है कि इस गिरोह में सीतापुर का एक दलाल भी शामिल है। अब वह उसे धमका रहा है कि वह पुलिस से शिकायत न करे। महिला ने शादी के बाद बच्चे नहीं पैदा करने की दी सलाह - वायरल वीडियो में महिला के साथ ही चुनरी ओढ़े दुल्हन भी दिख रही है। 30 हजार रुपये मिलने के बाद महिला भावुक होकर कमलेश से बोल रही है देखो! तुम्हारे तीन बच्चे हैं, जिन्हें देखकर मुझे तरस आ रहा है, तुम शादी कर लो लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना। इतने प्यारे बच्चे हैं, इन्हें देखकर ही तुम्हारी शादी करवा रही हूं। इसके बाद महिला नाश्ता करने के लिए सौ रुपये और मांगने लगी। तब कमलेश के बेटे ने अपनी जेब से निकाल कर रुपये दिए। महिला यह भी बोल रही है कि शादी करके अच्छे से लड़की को रखना, उसने समझा दिया है कि अब रक्षाबंधन में ही इसे मायके भेजना। दरोगा से हुई कमलेश की बात-कमलेश ने बताया कि शनिवार को खजनी थाने से एक दरोगा की कॉल आई थी। दरोगा ने कहा है कि थाने आकर अपनी एफआईआर लिखवा दे। यह भी कहा कि उस दिन वह थाने पर नहीं थे

प्रशासन नाकामी चलते गड़रिया वर्षों लाभ से रहें वंचित जिला में पहला जाति प्रमाण पत्र हुआ जारी तीस हजार पाल होंगे लाभान्वित

क्यूँ न लिखूँ सच -अनुपम द्विवेदी

प्रदेश भर में 51 जाती सहित गडरिया पाल जाति का दैनिक स्थिति होते हुए भी पिछड़ी जाति के सूची में रखा गया था जिनके स्थिति को देखते हुए एक सूची तैयार की गई जिस सूची में गंभीरता से विचार करते हुए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा एक आदेश जारी किया गया था किंतु सिंगरौली जिला प्रशासन के नाकामी के चलते घुमक्कड़ अर्ध घुमक्कड़ पाल गडरिया जनजाति को मिलने वाले लाभों से वर्षों वंचित रहें बताया जा रहा है मध्य प्रदेश शासन अक्टूबर वर्ष 2018 में 50 जातियों की सूची पर कार्यवाही करते हुए पाल गडरिया जाति को घुमक्कड़/अर्ध घुमक्कड़ जन जाती में शामिल किए जाने का आदेश जारी हुआ था किंतु जानकारी का आभाव कहे या जिला प्रशासन की नाकामी के चलते सिंगरौली जिले में एक भी प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए, जिस कारण जन जाति को मिलने वाले लाभों से पाल गडरिया समाज कई वर्षों तक वंचित रहे, वहीं स्थानीय प्रशासन सहित जिला प्रशासन की नाकामी को देखते हुए समाजसेवी जागेश्वर पाल द्वारा वर्षों जमीनी संघर्ष के साथ-साथ अदालती संघर्ष किया गया तब कहीं जाकर पहला प्रमाण पत्र जागेश्वर पाल का धनगर/गडरिया (पाल बघेले) के नाम से 24 दिसंबर 2024 को सुरेश जादव एसडीएम चितरंगी के द्वारा जारी किया गया है वही सामाजिक संघर्ष में हुए जीत की जानकारी देते हुए समाजसेवी जागेश्वर (पाल बघेले) द्वारा बताया गया कि काफी संघर्ष के बाद मेरे साथ जिला के लगभग तीस हजार से भी ज्यादा पाल/गडरिया शासन से मिलने वाले लाभ से लाभान्वित होंगे प्रमाण पत्र में लेख है- प्रमाणित किया जाता है कि जागेश्वर पाल पिता छोटेलाल पाल एवं माता श्रीमती मनती देवी निवासी ग्राम भूर्तिया टोला तहसील चितरंगी जिला सिंगरौली (मध्य प्रदेश) धनगर/गडरिया (पाल बघेले) जाति के सदस्य हैं और इस जाति को (मध्य प्रदेश) में घुमक्कड़/अर्ध घुमक्कड़ जाति के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है जो इन जातियों की सूची अनुक्रमांक 30 पर अंकित है यह प्रमाण पत्र सरपंच, ग्राम पंचायत 10, श्री मनबसिया देवी के प्रमाणीकरण के आधार पर जारी किया जा रहा है।

मंडल अध्यक्ष ने गरीबों असहाय को बाटे कम्बल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- गरीबो असहायों को कम्बल वितरण किया गया कम्बल पाकर खिले गरीब व असहाय के चेहरे । सोमवार को ग्राम पंचायत भेला गांव साई गांव चौराहे पर मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल जायसवाल के आवास पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी आयुष जायसवाल ने गरीब, मजदूर, असहाय व जरूरतमन्दों में कम्बल वितरण किया गया। कम्बल पाकर ठंड व कोहरे निजात मिला इस मौके पर वरिष्ठ नेता आयुष जायसवाल, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल जायसवाल,समाज सेवी राकेश जायसवाल, मोहित गुप्ता,पंकज कुमार,राजू कुमार व क्षेत्र के अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिजली तार चोरी करने वाले तीन अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार रामपुरा पुलिस ने पांच बंडल तार व पिकअप किया बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई ।रामपुरा थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने बिजली तारों की चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चोरी के तारों के पांच बंडल बरामद हुए हैं। साथ ही एक पिकअप गाड़ी भी बरामद की है। जिसके माध्यम से चोर, चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पुलिस ने पकड़े गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। इस मामले का खुलासा करते हुए माधौगढ़ सर्कल के क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने बताया कि 4 जनवरी को रामपुरा थाना में बिजली विभाग द्वारा शिकायती पत्र के माध्यम से सूचना दी गई थी। चोरों द्वारा आयुर्वेदिक अस्पताल के पास अज्ञात चोरों ने 9 विद्युत पोल से वायर चोरी कर लिया है। इस सूचना पर रामपुरा थाने में चोरी का मुकदमा पुलिस द्वारा पंजीकृत किया गया था। इस चोरी के खुलासे के लिए रामपुरा पुलिस को लगाया गया था। रामपुरा थाने के प्रभारी निरीक्षक संजीव कटियार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि उमरी छौना मानपुर रोड स्थित बंबा के पास एक पिकअप तीन लोग चोरी के पांच विद्युत केबल तार के बंडल, जिसकी कुल लंबाई 225 मीटर है। उसको लेकर जा रहे हैं।पुलिस ने इस पर घेराबंदी करते हुए विद्युत तारों की चोरी करने वाले तीन लोग बृजेश पुत्र तुलसीराम कुशवाहा निवासी मोहल्ला हनुमानगढ़ी थाना एट, बंटी बघेल पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम पिपर सोना थाना गोहद भिंड मध्य प्रदेश तथा छोटे बाबू पुत्र मुंशी का निवासी मोहल्ला हनुमानगढ़ी थाना एट को चोरी के तारों के साथ गिरफ्तार किया गया। जिनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त पिछले कई वर्षों से चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। वहीं सीओ ने बताया कि बृजेश के खिलाफ दो मुकदमे, बंटी और छोटे बाबू के खिलाफ एक-एक आपराधिक मुकदमा पंजीकृत है। फिलहाल इन अंतरराज्यीय चोरों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

डीएम ने आधी रात्रि में किया रैन बसेरों ,जन सेवा केंद्र व गौशाला का औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

दिल्ली- जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने रविवार की आधी रात्रि मे जन सेवा केंद्र शेखूपुर,सरकी व म्याऊं, रोडवेज के समीप संचालित रैन बसेरा व नौशेरा में गौशाला का औचक निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए चौकस होकर पूरी गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने रविवार की आधी रात्रि में जन सेवा केंद्र शेखूपुर, सरकी एवं म्याऊं में फार्मर रजिस्ट्री फीडिंग की प्रगति को चेक कर जन सेवा केंद्र संचालको एवं अधिकारियों को फीडिंग तेज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान फार्मर रजिस्ट्री से वंचित न रहे यह सुनिश्चित किया जाए तथा फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों का व्यापक प्रचार प्रचार सुनिश्चित किया जाए जिलाधिकारी ने उझानी के नौशेरा स्थित गौशाला का निरीक्षण कर शीत लहर से गौवंशों के बचाव हेतु व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संरक्षक को गौवंशों हेतु गुड़, चना व भूसा, तिरपाल आदि सहित सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शीत ऋतु में कोई भी पशु हानि नहीं होनी चाहिए यह सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने बस स्टैंड स्थित अस्थाई रेन बसेरे में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संबंधित को शीत लहर के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए, ताकि यहां ठहरने वालो को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने आमजन से अपील भी की कि यदि कोई असहाय व निर्बल व्यक्ति शीत ऋतु में सड़क पर सोता हुआ दिखाई दे तो तत्काल उसको प्रशासनिक स्तर से संचालित रैन बसेरे में शिफ्ट कराने में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर प्रशासन व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एसएसपी ने मुख्य बैंक शाखाओं का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

दिल्ली- एसएसपी डॉ बृजेश कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ जनपद की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आज भारतीय स्टेट बैंक व पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखाओं का निरीक्षण किया बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड एवं शस्त्र, एटीएम सुरक्षा गार्ड आदि के बारे में जानकारी ली साथ ही बैंक प्रबंधकों को शाखा में पाई गई कमियों के संबंध में अवगत कराते हुए सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने तथा ग्राहकों के साथ नेट बैंकिंग के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए जन जागरूकता के संबंध में अवगत कराया गया, इस दौरान बैंक में अनावश्यक रूप से आने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। बैंक मैनेजर से बैंक की सुरक्षा को लेकर चर्चा करते हुए बैंक में मौजूद सुरक्षा इंतजाम बैंक गेट पर लगी चेन, सुरक्षा गार्ड, मुख्य गेट या बैंक के अन्दर व बाहर लगे सीसीटीवी आदि चैक किया गया इसके साथ ही बैंक के बाहर खड़े मिले वाहनों की भी चेकिंग की गई

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह जनवरी-2025 के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ,/पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन में, भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ) द्वारा सड़क दुर्घटनाओं एवं उसमें होने वाली मृतको की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह जनवरी-2025 के अंतर्गत आमजनो में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने हेतु विभिन्न प्रकार से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए यातायात पुलिस द्वारा झाबुआ जिले के सभी थानाक्षेत्रों में यातायात जागरूकता रथ के माध्यम से आमजनों में यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी यातायात निरी. राजुसिंह बघेल, थाना प्रभारी पेटलावद एवं यातायात पेटलावद में पदस्थ सुबे. धर्मेन्द्र पटेल के नेतृत्व में श्रद्धांजलि चौक पेटलावद एवं बामनिया में चौकी के सामने नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय भाषा में बड़े ही सुन्दर तरीके से आमजनों को सड़क पर दुपहिया वाहन चलाते समय, हेलमेट लगा कर चलने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, नशा करके गाड़ी न चलाने एवं अवयस्क बच्चों को वाहन न चलाने देने का आव्हान किया गया। यातायात थाना प्रभारी निरी. राजुसिंह बघेल द्वारा शासकीय स्कूलो में छात्र छात्राओं एवं स्कूल स्टाफ को मोटर व्हीकल एक्ट में विभिन्न नियम धाराओं और उसके उल्लंघन हेतु निर्धारित जुर्माने की राशि से अवगत कराया जायेगा एवं यातायात नियमो के पालन हेतु शपथ दिलाई जायेगी। जिससे की नई उम्र के बच्चो को दुर्घटनाओं से बचाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

पीथमपुर भाजपा नेता श्री परमार का अंतिम संस्कार,2 मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंडल महामंत्री शेर सिंह परमार रात्रि को लंबी निधन हो गया। 6 जनवरी को टाउन से पर पहुंची। जहां गया। निधन पर पालिका प्रदीप द्विवेदी, अमरनाथ तिवारी, ओमप्रकाश राठौर, सुभाष जायसवाल, रामदीन शर्मा, तिलक राज शर्मा, शुभम पाराशर, छोटे लाल यादव, भालेराव , आदि ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। एवं बड़ी संख्या में लोग 2 मिनट का मौन रखकर श्री शेर सिंह परमार को श्रद्धांजलि दी।

भ्रामक पोस्ट करने वालों पर प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सोशल मिडीया पर भ्रामक पोस्ट पर एफआईआर दर्ज। पीथमपुर के माध्यम से पीथमपुर में सबंध में भ्रामक पर 5 जनवरी आरोपी भरत आरोपी के विरूद्ध 223, बीएनएस का पाया जाने से अपराध पंजीबध्द किया गया है। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया फेसबुक या किसी अन्य के माध्यम से भ्रामक खबर फैलाएगा , पोस्ट करेगा,तो प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मिडीया रामकी कम्पनी आए कचरे के पोस्ट किए जाने रविवार को मीणा व गोवर्धन पंवार अपराध धारा 351(1)

ट्रैक्टर की चपेट में आकर 3 साल के मासूम की मौत: खेलते-खेलते ट्रैक्टर की चपेट में आया

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती जिले के नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के लखाही में ईंट पथाई का काम कर रहे एक मजदूर का 3 वर्षीय बेटा ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बेलहा राघव क्षेत्र में कुमार ब्रिक फील्ड के नाम से एक ईंट भट्ठा चलता है। इसी भट्ठे से करीब 500 मीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत लखाही में ईंट पथाई का काम भी किया जा रहा था। बिहार के नेवादा जिले के मजदूर यहां पर काम कर रहे थे और उनका परिवार भी पथाई स्थल पर झोपड़ी बनाकर रह रहा था। बीती देर शाम, मजदूर का 3 साल का मासूम अन्य बच्चों के साथ पथाई स्थल पर खेल रहा था। तभी एक ट्रैक्टर, जो ईंट की ढुलाई कर रहा था,उसकी चपेट में आने से बच्चा कुचल गया। अंधेरा होने की वजह से ट्रैक्टर चालक बच्चे को देख नहीं पाया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव को कब्जे में लिया हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर, दोनों बाइक सवार की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

शिव दहा खजुरी मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मारी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस के जरिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। दूसरे घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया।पयागपुर थाना क्षेत्र के शंकर पुरवा गांव निवासी निखिल उर्फ वेद शुक्ला (25) अपने रिश्तेदार सूरज (27) निवासी श्रावस्ती के साथ बाइक से देर रात घर लौट रहे थे। जब वे पयागपुर के शिवदहा-खजुरी मार्ग पर पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पयागपुर पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजा। स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान निखिल उर्फ वेद शुक्ला ने दम तोड़ दिया। सूरज की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही सूरज ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

An army of ants also comes in your kitchen, cooking becomes difficult- Try these remedies to get rid of them

Ants coming in the kitchen is a common problem. If ants are constantly coming in your kitchen, then it is a matter of great concern for you. This is also because due to ants you cannot easily cook food standing in the kitchen. Therefore, it is important that you know the

ways to get rid of ants. Do not keep anything in the open in the kitchen Keep edible items in air tight containers Use natural things to get rid of ants It is common to have trouble due to ants coming in the kitchen. Ants often come in the kitchen in search of food and sometimes they become so much that it becomes difficult to deal with them. Today we are telling you some remedies here which can help you deal with ants in the kitchen. Keep the kitchen clean Ants often come only when they find food particles in the kitchen on the floor or slab or under the stove. In such a situation, it is very important to keep cleanliness. Clean up food scraps immediately and empty the dustbin regularly.Close the ant trailsAnts often come into the kitchen through cracks and holes. Closing these cracks and holes can prevent ants from coming. If you close these cracks and holes, the ants will stop coming. Often ants come out from beneath the tiles or from the fine holes in the wall. In such a case, identify the place where the ants come and take white cement and close those holes. By doing this, you can get a permanent solution to the ant problem.Remove attracting substancesAnts in the kitchen are attracted to sweet and sticky substances. Removing these substances can prevent ants from being attracted. If you keep all these things in the kitchen, keep them closed in an airtight container so that the ants do not get the smell. Use natural methods to kill- Using natural methods to kill ants is a good option. You can use lemon juice, vinegar, or chili powder to kill ants. You can put lemon juice, vinegar or chili powder under the slab, cupboard, gas cylinder and stove. By doing this, ants will not come. Use essential oils to drive them away- Using essential oils to drive ants away is a good option. You can use lemon, mint, or lavender essential oils to drive ants away. By adopting these measures, you can get help in dealing with ants in the kitchen.

Do these very easy exercises to keep yourself fit and active in winter

It is important to stay fit and active in winter so that laziness and stiffness caused by cold can be kept away. For this, do easy exercises like jumping jacks, squats, push-ups and planks (Winter Exercises) which keep the body warm and muscles strong. Also, Surya Namaskar

and climbing stairs are also very beneficial. These will increase metabolism and you will remain energetic even in winter. In winter, due to laziness, we often do not feel like exercising. It is also difficult to go out due to extreme cold. Some easy exercises can be done at home to keep yourself active in the winter season. Stiffness and laziness in the body due to cold in winter is common. This is the reason why it is very important to stay fit and active during this time. Exercise not only helps in keeping the body warm, but also strengthens the immunity, so that you can avoid infections like cold and cough. Here are some exercises that you can easily do at home and keep yourself warm. Let's know about them. Jumping Jacks-Jumping jacks is a great cardio exercise that warms up the body instantly. Do it for 2-3 minutes. It works to tone the muscles and also makes them active, increases blood circulation, and is helpful in burning calories. Squats-Squats strengthen the muscles of your thighs, hips and glutes. Repeat it 12-15 times daily. It helps to tone the lower body and increase metabolism. Push-ups-Push-ups are the best exercise to increase upper body strength. It strengthens the chest, arms and shoulders and brings heat to the body. Do 8-10 push-ups in the beginning and gradually increase the number. Plank HoldPlank exercise strengthens the core muscles and improves body balance. Start with 30 seconds and gradually increase it to 1 minute. Apart from keeping the body fit, it also provides warmth to the body in winter. It is also helpful in reducing belly fat. Climbing stairs- Climbing and descending the stairs of the house is a great cardio workout. It tones the legs and increases the heart rate. Do it for 5-7 minutes. Surya Namaskar- This yoga practice consists of 12 steps, which stretch and strengthen the entire body. Doing 5-10 rounds of Surya Namaskar daily keeps the body flexible and gives mental peace. Leg lifts- Leg lifts strengthen the muscles of the legs and abdomen. Do it 10-12 times for both legs. It also tones the lower back and core. Jogging on the spot- If it is not possible to go out, then jog on the spot at home, it is called stationary jogging. Do it for 2-3 minutes. It increases the heart rate. It may be difficult to beat laziness in winter, but these easy exercises will keep you fit and active.

The fabric of society makes men Silent Husband, intimacy disappears from married life

The foundation of every relationship is conversation. Be it friendship, family or love. In such a situation, what will happen if your life partner is a very less talkative person i.e. Silent Husband? Perhaps you too must be So let us tell you in detail on this do not share their happiness, conversation and remain lost in or give incomplete answers. and conversation. When husband them and their relationship husbands do not talk to them much the wife and many questions arise marriage can crack. Let us tell you harms the intimacy in your married husband means a husband who completely silent. When the wife like a one-sided conversation. Due husband does not understand her. wants to know what is going on in weakens the relationship and the silent husbands? - According to the 'silent husband' is deeply related to taught to remain strong by

wondering now why this happens and how to deal with it. topic (Emotional Distance In Relationships). Silent husbands sorrow, worry or fear easily. Silent husbands stay away from their own world. Such husbands try to avoid your questions Marriage is a beautiful relationship, which is based on trust and wife talk openly, there is no misunderstanding between becomes strong, but many times wives complain that their or ignore their words. This silence of the husband scares in her mind. If this problem persists for a long time, the in this article why men become 'silent husbands' and how it life (Lack of Intimacy). Who is a silent husband? - Silent hesitates to express his feelings. He speaks less or remains shares her thoughts, she feels that she is all alone. It seems to this communication gap, the wife feels that perhaps her The husband's silence becomes a mystery for the wife. She her husband's mind. Lack of spending time together also distance between the two increases. Why do men become General of Social and Personal Relationships, the issue of the upbringing of boys in society. From childhood, boys are suppressing their emotions. They are repeatedly told that 'boys do not cry', 'men do not feel pain', and 'you are strong, why are you crying?'. Due to these limited norms, men are unable to learn to express their emotions and start suppressing them. Therefore, when they become husbands, they find it difficult to communicate openly with their wives. Intimacy is also affected. If the bridge of communication between husband and wife breaks, then the sea of ??their love also starts drying up. Lack of communication weakens the emotional connection. When emotional attachment decreases, the roots of love and respect also start to falter. In this way, the most beautiful aspect of married life - intimacy, slowly disappears from the relationship. How to Deal With a Silent Husband - If you feel that your husband is less talkative, do not worry. For many men, this is one way to express their feelings. They may show their feelings through eyes, gestures, and physical touch. They may give you gifts or do small caring acts. It may take you some time to understand how your husband expresses his feelings. You can get closer to him by spending time with each other, listening to each other, and praising each other. If you are still finding it difficult, you can seek the help of a relationship counselor.

It was not easy for Divya Dutta to become an actress, mother's advice gave courage when she got her first role from Yash Raj Films

Famous actress Divya Dutta, who has won everyone's heart with her serious acting, needs no introduction today. The actress has worked in many great films in her career. Recently, she had a special conversation with Jagran, remembering her debut film Veer-Zara and her first meeting with Yash Raj. This is how Divya Dutta got her first film, on hearing the character of Shabbo, the actress's reaction was like this - Mother's advice helped a lot in making a careerBollywood actress Divya, who ruled the hearts of the audience with her brilliant acting in films like Bhaag Milkha Bhaag, Veer Zaara, Manto, is considered one of the talented actresses of the industry. She has worked on more than one role in her career. Although her dream was to become a lead actress, she started with a side role, on which she has spoken openly after years. Let's know how she got her first film.

Starting with 'Ishq Mein Jeena Ishq Mein Marna'- Divya Dutta, an actress active in Hindi cinema for two decades, made her debut in Hindi cinema in 1994 with the film 'Ishq Mein Jeena Ishq Mein Marna', but she also considers the classic Yash Chopra directed film 'Veer Zaara', which came about 20 years ago, as her debut film in a way. Divya says about this, 'When I came to the film industry, I wanted to become Yash Chopra's heroine. It was my dream that Yash Chopra would launch me, but it did not happen. I got 'Veer Zaara' after six-seven years of coming to the industry.' This was the tension after getting a role in Yash Raj Films- When I was called to meet Yash Raj Films for this film, my happiness knew no bounds. When the story of the film was being narrated, Yash Uncle (Yash Chopra) was sitting on one side of me and Adi (Aditya Chopra) on the other side. After listening to the story, I told them that this is a very beautiful story. Then she told me that it stars Shah Rukh Khan, Amitabh Bachchan, Preity Zinta, Rani Mukerji, Hema Malini and Manoj Bajpayee. I play the role of Shabbo in it. At that time, I had it in my mind that if I do this role now, I may have to do such roles all my life. One advice from my mother made my career- At that time, Yash Raj Films was one of the biggest production houses in the country. Yash ji's films were landmarks for the entire film industry. Then my mother said one thing that son, do such a good work that people ask who is this girl? Her words gave me a unique energy and a hunger to keep learning on the set. Then when the film premiered and I came out after the interval, I was surrounded by people for the first time in my life, people were talking about me. I tasted stardom for the first time. For me, it was very unexpected, but in a way, it was a new launch from Yash Chopra. For me, the memories of working on this film and its set are very special.

Bigg Boss 18: 'Shouting will win the show', this ex-winner supported Vivian Dsena, attacked Kamya

In Bigg Boss 18, a new guest always comes in the Weekend Ka War episode. This time Kamya Punjabi became the guest of the show. As soon as Kamya came to the Bigg Boss house, she scolded the contestants fiercely, in which she got most angry at Vivian Dsena. Fans did not like this style of her at all and they started saying that Kamya wrongly targeted Vivian. Bigg Boss finale will be on January 19 Kamya Punjabi appeared in Weekend Ka War - Actress scolded Vivian DsenaThe drama in Bigg Boss 18 house is gradually getting darker. Recently, in the family special episode, the contestant's family members came and created a lot of uproar. Now after his departure, another person came inside the house and took away their night's sleep. Kamya Punjabi scolded Vivian- Currently, in the position the game is in, no one would want the trophy to go away from them. Everyone is busy strengthening their claim. Friendship and friendship also seemed to be left far behind. Everyone just wants to win the game and move forward. Now recently a promo of the show is going viral rapidly in which Kamya Punjabi will come inside the house in the Weekend Ka Vaar episode. Is Vivian Dsena being targeted? A promo of this is going viral on social media. As soon as Kamya came inside the house, she lashed out at Vivian Dsena. She scolded Vivian Dsena fiercely. Salman and Kamya scolded Vivian fiercely and said the game is over bro... Fans did not like this at all. Fans say that Kamya supported Karanvir Mehra but she deliberately scolded Vivian and left. People did not like Kamya targeting Vivian. Kamya tells Vivian that his wife Noraan had come to the show to do damage control.Prince Narula came in support of the actor- Now Bigg Boss 9 winner Prince Narula was seen supporting Vivian Dsena. Prince has put up a story on his Instagram in which he is questioning Kamya's way of behaving. He wrote, "Kamya Punjabi, do you think that by screaming and shouting he can win the show? He is very good! Janta hai na bataane ke liye!" He also made a heart emoji on this post.Many fans have agreed with Prince's post. They believe that Vivian avoided unnecessary drama throughout the season and he played the show with full dignity.

From Naina Talwar to Shakti Shetty, these characters made Deepika the queen of Bollywood

Deepika Padukone's name is included in the list of talented actresses of Bollywood. She has earned a different identity in the film world due to her acting. Despite seeing ups and downs in her career, Deepika rules the hearts of fans. On the special occasion of her birthday (Deepika Padukone Birthday), we are talking about her most talked about characters. Deepika Padukone is celebrating her birthday today. The actress has gained recognition in the film world due to her The names of some of Deepika's characters are always on people's lips. The film 'Om Shanti Om' hit the big screen in the year 2007. A talented girl who wanted to make a career in acting made her debut with the Shah Rukh Khan starrer movie. Who played a double role and won the Best Female Debut Filmfare Award for the film. The name of the actress who stole the limelight by sharing the screen with King Khan is Deepika Padukone. The actress is remembered for her different characters in her film career. Deepika is celebrating her birthday on 5 January (Deepika Padukone Birthday). On this special occasion, we are talking about some of her popular film roles. Whether the character is modern or historical, Deepika has tried to play all the roles well. The names of most of her onscreen roles are on the lips of the fans, but some of her characters are considered iconic. Naina's role in Yeh Jawaani Hai Deewani - Ranbir Kapoor and Deepika Padukone's 'Yeh Jawaani Hai Deewani' was released in theaters in the year 2013. This film was well liked by the audience. In the role of Naina Talwar, the actress made a special place in the hearts of cinema lovers. The pair of Bunny and Naina has also got success at the box office. The craze of Ranbir-Deepika's film is still there among the people and this is the reason why the picture has been re-released in theatres. Its songs and dialogues are also in the hearts of the audience. Shakti Shetty's character in Singham AgainLady Singham's entry in Rohit Shetty's cop universe is from Singham Again. Deepika Padukone was seen in the role of Shakti Shetty in the film. Deepika's character came into discussion only after the trailer of the movie was released. Lady Singham's role was said to be a weak link for Ajay Devgan's film, but her appearance on the big screen proved all the claims wrong. The popularity of this role is such that action director Rohit has decided to make a separate film on Lady Singham. Recently, in an interview, famous director Rohit Shetty had revealed that he will make a strong film based on lady cop. The concept is also ready in his mind. For this reason, more focus was given on Deepika's character in Singham Again. Meenamma's role in Chennai Express-Chennai Express is definitely included in the list of Deepika Padukone's popular and memorable films. Her pairing with Shah Rukh in this film proved to be a hit. In this, she played the character of a Tamil girl Meenamma. One of her dialogues also went viral, in which the actress can be heard saying that from where did you buy such a rubbish dictionary. Talking about acting, her acting in this film was also praised a lot.